आजीविका
(विशेष परियोजना)
(आरोह फाउंडेशन द्वारा संचालित, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की योजना)

गरीबी रेखा के नीचे युवक-युवतियों के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

संस्करण 08 - नवम्बर 2013

बाल दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

बाल दिवस के अवसर पर आरोह–आजीविका (विशेष परियोजना) प्रशिक्षण केन्द्रों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छतरपुर स्थित बिजावर केन्द्र पर कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि श्री दीपक खरे, मुख्य विद्यालय प्रबंधक बिजावर ने पंडित जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम में मौजूद लाभार्थियों को बाल दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई दी और नेहरू जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि चाचा नेहरू की सोच थी कि इस देश की बाग–डोर युवाओ के कंधे पर रहे, वे जानते थे कि बच्चे ही देश के भाग्य निर्माता होते हैं इसलिये चाचा नेहरू बच्चों को बहुत प्यार करते थे।

टीकमगढ़ स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर बाल दिवस पर कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बीना स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर बाल दिवस के अवसर पर लाभार्थियों ने समूह नाटक और गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में लाभार्थियों को चाचा नेहरू के जीवन के बारे में बताया गया व उनके आदर्शों पर चलने के लिए लाभार्थियों को प्रेरित किया गया। बोकारो जिले के पिण्ड्राजोरा प्रशिक्षण केन्द्र पर बाल दिवस के अवसर पर खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में लाभार्थियों के लिए कुर्सी दौड़, नींबू दौड़, और कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के अंत में लाभार्थियों को पुरस्कार वितरित किया गया जिसमें लक्ष्मी कुमारी को प्रथम प्रेम कुमार को द्वितीय और पंकज कुमार को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर सभी जिलों के सेंटर इंचार्ज और ट्रेनर मौजूद थे।

पिण्ड्राजोरा प्रशिक्षण केन्द्र पर आयोजित खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेते लाभार्थी

इस अंक में

- *बाल दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन*
- *प्रशिक्षक संगोष्ठी का आयोजन*
- *आरोह–आजीविका लाभार्थियों का एक्सपोजर विजीट*
- *लाभार्थियों को मिला प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र*
- *रोजगार के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन*
- *लाभार्थी की कलम से – प्रकाश चन्द्र महतो अनंत प्रताप सिंह व सुषमा*
- *मीडिया में आरोह–आजीविका (विशेष परियोजना)*

प्रशिक्षक संगोष्ठी का आयोजन

आरोह–आजीविका (विशेष परियोजना) के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और लाभार्थियों को अच्छी नौकरी प्रदान करने के लिए छतरपुर केन्द्र पर सभी केन्द्र के सेंटर इंचार्ज, ट्रेनर और मोबलाइजर की संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्ठी में टीकमगढ़, खरगापुर, बिजावर, बडामलहरा और छतरपुर केन्द्र से सभी लोग उपस्थित थे। संगोष्ठी में आजीविका परियोजना के द्वारा जरूरतमंद लोगों को इस योजना से लाभान्वित करने के विषय पर चर्चा की गई। इसके साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

छतरपुर केन्द्र पर आयोजित संगोष्ठी में हिस्सा लेते प्रशिक्षक

आरोह-आजीविका लाभार्थियों का एक्सपोजर विजीट

बोकारो जिले के पिण्ड्राजोरा में संचालित आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षणरत सेल्स व रिटेल ट्रेड के 21 लाभार्थियों को रांची स्थित रिलांयस फ्रेश में एक्सपोजर विजीट कराया गया। इस एक्सपोजर विजीट का मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के अलावा व्यवहारिक ज्ञान से भी रूबरू कराया जिससे लाभार्थियों को प्रशिक्षण उपरान्त रोजगार करने में किसी भी प्रकार की कोई समस्या ना हो। आरोह–आजीविका लाभार्थियों को रिलांयस फ्रेश के एचआर मैनेजर श्री अनिल कुमार सिंह व अश्विन ने लभार्थियों के प्रशिक्षण की सराहना की साथ ही उन्हें ग्राहक से बात–चीत करने के तौर–तरीके और व्यवहारिकता के बारे में बताया। अनिल सिंह ने लाभार्थियों को आगे बढ़ने के लिए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और आरोह फाउंडेशन द्वारा लाभार्थियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण के प्रति आभार व्यक्त किया। लाभार्थियों द्वारा यह एक्सपोजर विजीट सेल्स रिटेल ट्रेनर उपेन्द्र कुशवाहा द्वारा आयोजित की गयी। वहीं छतरपुर केन्द्र पर मल्टीस्किल्ड तकनीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण ले रहे लाभार्थियों को स्थानीय कंपनी में एक्सपोजर विजीट कराया गया। कंपनी में लाभार्थियों ने बिजली चालित मशीनों के बारे में जानकारी जुटाई और कार्यस्थल के बारे में बखूबी जानकारी ली। लाभार्थियों के लिए यह एक्सपोजर विजीट ट्रेनर शेख शकील द्वारा आयोजित की गई थी।

एक्पोसर विजिट के दौरान लाभार्थीयों को समझाते एच. आर. मैनेजर अनिल कुमार सिंह

लाभार्थियों को मिला प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र

धनबाद और टीकमगढ़ जिले में वितरित किया गया प्रमाणपत्र

91 लाभार्थियों को मिला प्रमाणपत्र

धनबाद जिले में संचालित आरोह–आजीविका (विशेष परियोजना) प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त 66 लाभार्थियों को प्रमाणपत्र देने के लिए 21 नवम्बर को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित करने और रोजगार के लिए उनका मनोबल बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक श्री मथुरा महतो, को आमंत्रित किया गया था। इसके साथ ही कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि व सम्मानीय अतिथि के रूप में श्रीमती निर्मला देवी (मुखिया उदयपुर), श्री पवन महतो (जिला परिषद सदस्य), श्री मुरली महतो (जिला परिषद सदस्य) को भी आमंत्रित किया गया था। लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित करते हुए श्री मथुरा महतो ने लाभार्थियों को प्रशिक्षण के लिए बधाई दी साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की भी कामना की। कार्यक्रम के अन्त में श्री मथुरा महतो ने आरोह फाउंडेशन को इस नेक काम के लिए बधाई दी।

टीकमगढ़ जिले के आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रशिक्षण प्रमाणपत्र दिखाते लाभार्थी

टीकमगढ़ केन्द्र से सेल्स रिटेल ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त 25 लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। यह प्रमाणपत्र लाभार्थियों को प्रशिक्षण केन्द्र पर 16 नवम्बर को आयोजित एक कार्यशाला के दौरान दिया गया। प्रमाणपत्र के साथ ही लाभार्थियों को स्थानीय स्तर और दिल्ली एनसीआर में रोजगार के अवसर भी प्रदान किए गए।

रोजगार के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन

छतरपुर और दमोह जिले में 18–35 साल के बीपीएल लाभार्थियों को आरोह–आजीविका (विशेष परियोजना) के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जागरूक करने और रोजगार की महत्ता बताने के लिए विभिन्न जिलों के प्रशिक्षण केन्द्रों पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में लाभार्थियों को रोजगार की महत्ता बताने और उन्हें रोजगार से जोड़ने के विषयों पर चर्चा की गई।

दमोह जिले के पथरिया केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके मल्टी स्किल्ड तकनीशियन, सेल्स व रिटेल ट्रेड के लाभार्थियों को रोजगार के बारे में जागरूक करते हुए आरोह फाउंडेशन के प्लेसमेंट कॉर्डिनेटर हेमंत सिंह तंवर ने लाभार्थियों के सामने दिल्ली एनसीआर में रोजगार से जुड़ने के बेहतर विकल्प बताये साथ ही रोजगार के दौरान उनको मिलने वाले मासिक वेतन के बारे में भी जानकारी दी।

दमोह जिले के पथरिया प्रशिक्षण केन्द्र पर लाभार्थियों को जागरूक करते प्लेसमेंट कोआर्डिनेटर हेमंत सिंह तंवर

सफल लाभार्थी

ओमप्रकाश कुशवाहा
लाभार्थी, आरोह–आजीविका
छतरपुर, म.प्र.

मेरा नाम ओमप्रकाश कुशवाहा है। मैं छतरपुर जिले के रामपुर गांव का निवासी हूं। जब मैं छोटा था तभी मेरे पिता जी का देहांत हो गया। घर में सबसे बड़ा होने के कारण घर की सारी जिम्मेदारियां मेरे उपर आ गई। मेरी मां की तबियत हर वक्त खराब रहती है जिससे मां ने मेरी शादी भी कर दी। मेरे दो बच्चे हैं। माता जी अपनी खराब तबियत के बावजूद भी दूसरे के खेतों में मजदूरी करती हैं जिससे परिवार का खर्च चलता है। मैं भी अपने मां के साथ खेतों में काम करके परिवार का पालन–पोषण करता हूं। मेरे पिता जी एक शिक्षक थे उनका सपना था कि मैं पढ़–लिख कर उनका नाम करूं लेकिन पिता जी के देहांत के बाद घर में परेशानियों का अंबार टूट पड़ा। हर वक्त घर में पैसों की दिक्कत रहने लगी। मैं गांव से बाहर निकल नौकरी करने की सोचता था लेकिन परिवार को अकेला छोड़ कर घर से दूर नहीं रह पाता था इस कारण मजबूर होकर गांव में ही मजदूरी करनी पड़ती थी। पिता जी के देहांत के बाद अपनी दो बहनों की शादी भी की। घर में शादी करने के लिए पैसे नहीं थे जिसके कारण मुझे अपनी जमीन बेंचनी पड़ी। मेरे पास कोई तकनीकी ज्ञान नहीं था जिससे मुझे अच्छी जगह नौकरी मिल पाती। मैं हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद आगे नहीं पढ़ सका। एक दिन मुझे आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र के बारे में पता चला जहां पर बीपीएल बेरोजगारों को प्रशिक्षण देकर रोजगार दिया जाता है। मैं अगले दिन छतरपुर प्रशिक्षण केन्द्र पर जाकर योजना की जानकारी जुटाई और अपने समस्त दस्तावेजों को साथ ले जाकर मल्टी स्किल्ड तकनीशियन ट्रेड में अपना दाखिला करवाया। मुझे केन्द्र पर मशीनरी के बारे में पूरी जानकारी दी जाती है साथ ही बात व्यवहार के भी तौर–तरीके सिखाए जाते हैं। मुझे उम्मीद है कि केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद मुझे एक अच्छी नौकरी मिलेगी और मैं अपने परिवार का सही से देखभाल कर सकूंगा।

हेमराज अहिरवार
लाभार्थी, आरोह–आजीविका
टीकमगढ़, म.प्र.

मेरा नाम हेमराज अहिरवार है। मैं टीकमगढ़ जिले से 40 किलोमीटर दूर सरकनपुर गांव में रहता हूं। मेरे पिता जी एक किसान है। घर में आमदनी का स्त्रोत सिर्फ खेती है इस कारण परिवार वालों की जरूरतें पूरी नहीं हो पाती हैं। आर्थिक तंगी के कारण परिवार में हमेशा लड़ाई होती रहती है। घर की समस्या से तंग आकर मैं एक बार दिल्ली नौकरी की तलाश में आया लेकिन मेरे पास ना ही कोई अच्छी शिक्षा थी और ना ही कोई तकनीकी जानकारी इस कारण मुझे कहीं भी नौकरी नहीं मिलती थी। एक कंपनी में मेरे एक जानने वाले ने नौकरी दिलवा दी लेकिन अचानक एक दिन मेरा दोनों हाथ आग से जल गया और मुझे नौकरी से भी निकाल दिया गया। थक हारकर मैं वापस अपने गांव चला आया और गांव में ही मजदूरी करके अपना जेब खर्च निकाल लेता था। मैं हमेशा अपने परिवार की गरीबी दूर करने के बारे में सोचता रहता था लेकिन मैं कुछ कर नहीं पाता था। एक दिन मेरी मुलाकात आरोह फाउंडेशन के मोबलाइजर से हुई जो आजीविका (विशेष परियोजना) के बारे में जानकारी देने के लिए मेरे गांव में एक मीटिंग कर रहे थे। मैं वहां जाकर अपना नामांकन करवाया और अगले दिन से टीकमगढ़ केन्द्र पर मल्टी स्किल्ड तकनीशियन का प्रशिक्षण हासिल करने के लिए आने लगा। मुझे अब उम्मीद है कि मैं यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अच्छी नौकरी प्राप्त करूंगा और अपने घर की गरीबी दूर करूंगा।

पूजा गुप्ता
लाभार्थी, आरोह–आजीविका
जालौन, उ.प्र.

मेरा नाम पूजा गुप्ता है मैं जालौन जिले के कोंच ब्लॉक के कुंडा गांव में रहती हूं। मेरे पिता जी मजदूरी करके परिवार का पेट भरते हैं। मेरे परिवार में 5 सदस्य है। मैनें 12वीं तक की पढ़ाई की है। पिता जी की मासिक आय 4 हजार रुपये होने के कारण वह परिवार का खर्च बहुत दिक्कतों से चलाते थे इस कारण मैने अपने पिता जी से अपने आगे पढ़ने के लिए नहीं कहा। अपने परिवार की गरीबी देखकर मैं भी नौकरी करना चाहती थी लेकिन समाज के डर से मेरे घर वाले मुझे बाहर नौकरी करने नहीं भेजते थे। एक दिन मेरे गांव में आरोह फाउंडेशन के मोबलाइजर आजीविका (विशेष परियोजना) के बारे में बता रहे थे जो बीपीएल बेरोजगारों को रोजगार दिलाने के लिए लोगों को नामांकन कर रहे थे। मैं अपने घर वालों से बात करके प्रशिक्षण के लिए अपना नामांकन एमएसटी ट्रेड में करवाया। तीन माह के प्रशिक्षण के बाद मेरी नौकरी हरियाणा के बावल में स्थित मिंडा फुरूकवा इलेक्ट्रानिक प्राइवेट लिमिटेड में लगवाई गई। यहां पर मुझे हर माह 7 हजार रुपये मिलते हैं। मैं अपनी नौकरी से बहुत खुश हूं। यहां पर लड़कियों के लिए काम करने का माहौल भी बहुत अच्छा है। कंपनी के सभी कर्मचारी लड़कियों के साथ बहुत ही व्यवहार कुशल रहते हैं। इसलिए कंपनी में काम करके बहुत अच्छा लगता है। मेरे परिवार वाले भी मुझसे बहुत खुश रहते हैं। मैं हर माह अपनी सैलरी से 4 हजार रुपये अपने परिवार वालों को भेजती हूं। इसके साथ ही मैं आगे बढ़ने के लिए स्नातक की पढ़ाई भी कर रही हूं। मेरे परिवार वाले मेरी सफलता का श्रेय आरोह फाउंडेशन को देते हैं व संस्था के सभी कर्मचारियों को दिल से दुआ देते हैं। मैं भी अपनी इस सफलता का पूरा श्रेय आजीविका (विशेष परियोजना) और आरोह फाउंडेशन को देना चाहती हूं।

मीडिया में आरोह-आजीविका (विशेष परियोजना)

प्रशिक्षण के बाद बांटे प्रमाण पत्र

टीकमगढ़। स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों को आरोह फाउंडेशन द्वारा प्रमाण पत्र बांटे गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित अजनौर सरपंच संजय नगाईच ने कहा कि कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर बेरोजगा नौजवानों को अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षित युवक-युवतियों से अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण लेने की बात कही। कार्यक्रम में राज्य परियोजना समन्वयक अंजुम आलम ने बताया कि 20वें बैच के छात्रों को प्रमाण पत्र बांटे गए हैं। इस दौरान जिला संचालक मयंक वर्मा, प्रशिक्षक अनूप शुक्ला सहित छात्र उपस्थित रहे।

युवक-युवतियों को मिला प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र

बरवाअड्डा. क्षेत्र के उदयपुर पंचायत भवन में आरोह फाउंडेशन द्वारा विगत तीन माह से चल रहा रोजगार प्रशिक्षण शिविर बुधवार को संपन्न हो गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बीपीएल परिवार के युवक-युवतियों को रोजगार के लिए प्रशिक्षण देना अच्छी पहल है. उन्होंने प्रशिक्षण पाये बीपीएल परिवार के युवक-युवतियों को प्रमाण पत्र भी दिया. कार्यक्रम में मुखिया निर्मला देवी, जिप सदस्य पवन महतो, मुरली महतो, लालजी दीपक, कृष्ण कुमार आदि उपस्थित थे.

अपीलः

सभी ग्राम प्रधान, बीडीओ, डीआरडीए, और सम्माननीय अधिकारियों से निवेदन है कि इस कार्यक्रम के तहत आप हमारा पूरा सहयोग करें। जिससे हम इस योजना का लाभ सही और जरूरतमंद लोगों तक पहुँचा सकें। धन्यवाद!

Published by AROH Foundation | F 52, Sector 8, NOIDA 201301 | www.aroh.in | arohfoundation@gmail.com | 0120-432802-08